NEW

Part–II 3 Tier

2016

HINDI

(General)

PAPER—II

Full Marks : 90

Time : 3 Hours

The figures in the right hand margin indicate full marks.

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

खण्ड - क

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : 1·5×1

क) कबीर के दार्शनिक विचारों पर प्रकाश डालिए ।

ख) ''सूरदास कृष्ण के बाल्य-जीवन का चित्रण करने में सिद्धहस्त हैं''—कथन की सार्थकता पर विचार कीजिए ।

ग) तुलसीदास के 'राम-वन-गमन' प्रसंग के भाव-सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए ।

2. किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भसहित व्याख्या कीजिए : 8×2

क) मेरा मन सुमिरै राम कूँ, मेरा मन रामहिं आहि ।
अब मन रामहिं है रह्या, सीस नवावौ काहि ।
अंबर कुंजाँ कुरलियाँ गरजि भरे सब ताल ।
जिन थैं गोबिंद बीछुटे, तिनके कौण हवाल ।।

ख) आयो घोष बड़ो व्योपारी ।
लादि खेप गुन ज्ञान जोग की ब्रज, में आप उतारी
फाटक देकर हाटक मांगत भोरै निपट सु धारी ।
धुर ही तें खोटो खायो है लयो फिरत सिर भारी ।
इनके कहे कौन डहकावै ऐसी कौन अजानी ।
अपनो दूध छांड़ि को पीवै खार कूप को पानी ।
ऊधो जाहु सवार यहाँ ते बेगि गहरू जनि लावौ ।
मुँहमाँग्यो पैहो सूरज प्रभु साहुटि आनि दिखावौ ।।

ग) मेरी भव-बाधा हरौ राधा नागरि सोय ।
जा तन की झांई परे स्याम हरित दुति होय ।।
जपमाला छापै तिलक सरै न एकौ काम ।
मन काँचे नाँचै वृथा साँचै राँचै राम ।।

घ) सुनि सुंदर बैन सुधारस-साने सयानी हैं जानकी जानी भली
तिरछे करि नैन, दै सैन तिन्हैं समुझाइ कछू मुसुकाई चली ॥
तुलसी तेहि औसर सोहै सबै अवलोकति लोचनलाहु अली ।
अनुराग-तड़ाग में भानु उदै बिगसी मनो मंजुल कंजकली ॥

3. किन्हीं **दो** लघूत्तरी प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4×2

क) कबीर की सामाजिक भावना पर विचार कीजिए ।

ख) सूरदास के वियोग-वर्णन पर संक्षेप में विचार कीजिए ।

ग) तुलसी की भक्ति-भावना पर प्रकाश डालिए ।

घ) बिहारी के नीतिपरक दोहों पर विचार कीजिए ।

खण्ड - ख

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : 15×1

क) जयशंकर प्रसाद की काव्य चेतना पर सोदाहरण प्रकाश डालिए ।

ख) "छायावादी कवियों में निराला का स्थान अन्यतम है"— कथन पर विचार कीजिए ।

ग) महादेवी वर्मा की विरह भावना पर विचार कीजिए ।

5. किन्हीं **दो** अवतरणों की सन्दर्भसहित व्याख्या कीजिए : 8×2

क) दैन्य जड़ित अपलक नत चितवन
अधरों में चिर नीरव रोदन
युग-युग के तम से विषण्ण मन
वह अपने घर में
प्रवासिनी!

ख) करुणा की नव अँगराई-सी,
मलयानिल की परछाईं-सी,
इस सूखे तट पर छिटक छहर!
शीतल कोमल चिर कम्पन-सी
दुर्ललित हठीले बचपन-सी,
तू लौट कहाँ जाती है री -
यह खेल खेल ले ठहर-ठहर !

ग) अगर मैं तुमको ललाती साँझ न नभ की अकेली तारिका
अब नहीं कहता,
या शरद के भोर की नीहार-न्याही कुँई,
टटकी कली चम्पे की वगैरह, तो
नहीं कारण कि मेरा हृदय उथला या सूना है
या कि मेरा प्यार मैला है ।

 (Continued)

घ) सीमा ही लघुता का बंधन
है अनादि तू मत घड़ियाँ गिन;
मैं दृग के अक्षय-कोषों से -
तुझमें भरती हूँ आँसू - जल!
सजल-सजल मेरे दीपक जल!

6. किन्हीं तीन लघूत्तरी प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 4×3

क) 'रश्मिरथी' के पंचम सर्ग का मूल-भाव अपने शब्दों में लिखिए।

ख) पंत की 'ताज' कविता का भाव - सौन्दर्य लिखिए।

ग) अज्ञेय की 'नदी' के द्वीप 'कविता का मूल भाव लिखिए।

घ) नागार्जुन की जनवादी कविता पर संक्षेप में विचार कीजिए।

ङ) 'महादेवी और रहस्यवाद' पर संक्षेप में विचार कीजिए।

7. किन्हीं **आठ** अति लघूत्तरी प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 1×8

क) कबीर को 'वाणी का डिक्टेटर' किसने कहा है ?

ख) 'साहित्य लहरी' किसकी रचना है ?

ग) 'इकटक मग जोवति'— यहाँ किसकी प्रतीक्षा की जा रही है ?

घ) 'रामचरितमानस' में कुल कितने काण्ड हैं ?

ङ) बिहारी की काव्य-भाषा क्या है ?

ञ) 'यामा' किसकी रचना है ?

छ) 'अरुण यह मधुमय देश हमारा'— शीर्षक गीत प्रसाद के किस नाटक से लिया गया है ?

ज) 'सिन्दुर तिलकित भाल' कविता में कवि नागार्जुन अपने किस ग्राम को याद करते हैं ?

झ) कवि निराला वीणावादिनी से भारत में क्या भर देने की प्रार्थना करता है ?

ञ) 'आँगन के पार द्वार' काव्य-संकलन किसका है ? कवि का नाम लिखिए ।

—०—